तुलसीदास - 'भरत-राम का प्रेम' (रामचरितमानस से पद) और गीतावली

10 बहुविकल्पी प्रश्न (MCQ)

1. तुलसीदास किस भक्ति-धारा के प्रमुख कवि हैं?
A) निर्गुण B) सगुण राम-भक्ति C) कृष्ण-भक्ति D) शैव
उत्तर: B) सगुण राम-भक्ति

2. 'रामचरितमानस' की रचना किस भाषा में हुई है?
A) ब्रज B) अवधी C) खड़ी बोली D) संस्कृत
उत्तर: B) अवधी

3. 'भरत-राम का प्रेम' पद में भरत किस भाव से भरे हैं?
A) क्रोध B) ईर्ष्या C) विनय और प्रेम D) गर्व
उत्तर: C) विनय और प्रेम

4. भरत राम के प्रति अपने प्रेम को किस रूप में व्यक्त करते हैं?
A) आदेश देकर B) शिकायत करके C) दीनता और समर्पण से D) उपहास से
उत्तर: C) दीनता और समर्पण से

5. 'गीतावली' के पदों में मुख्य रूप से किसका वर्णन है?
A) युद्ध B) राजनीति C) माता कौशल्या का विरह D) प्रकृति
उत्तर: C) माता कौशल्या का विरह

6. राम के वन-गमन के बाद कौशल्या किस अवस्था में दिखाई देती हैं?
A) क्रोधित B) उदासीन C) विरह-विह्वल D) प्रसन्न
उत्तर: C) विरह-विह्वल

7. तुलसीदास को 'समन्वय का कवि' क्यों कहा जाता है?
A) उन्होंने कई भाषाएँ लिखीं
B) उन्होंने भक्ति और लोकजीवन का समन्वय किया
C) उन्होंने केवल नीति-काव्य लिखा
D) उन्होंने युद्ध-काव्य लिखा
उत्तर: B) उन्होंने भक्ति और लोकजीवन का समन्वय किया

8. 'भरत-राम का प्रेम' में प्रमुख रस कौन-सा है?
A) वीर B) करुण C) शृंगार D) भक्ति/शांत
उत्तर: D) भक्ति/शांत

9. तुलसीदास की भाषा की प्रमुख विशेषता क्या है?

A) दुरूहता B) संस्कृतनिष्ठता C) लोकबोध और सरसता D) विदेशी शब्दावली

उत्तर: C) लोकबोध और सरसता

10. इन पदों का मुख्य संदेश क्या है?

A) राजनीति की सीख

B) पारिवारिक कलह

C) त्याग, प्रेम और समर्पण

D) युद्ध-कौशल

उत्तर: C) त्याग, प्रेम और समर्पण

---

10 एक-पंक्ति प्रश्न-उत्तर

1. **प्रश्न:** तुलसीदास किस ग्रंथ के रचयिता हैं?
   उत्तर: रामचरितमानस।
2. **प्रश्न:** 'रामचरितमानस' की भाषा क्या है?
   उत्तर: अवधी।
3. **प्रश्न:** 'भरत-राम का प्रेम' में भरत का प्रमुख भाव क्या है?
   उत्तर: विनय और समर्पण।
4. **प्रश्न:** गीतावली के पदों में किसका विरह वर्णित है?
   उत्तर: माता कौशल्या का।
5. **प्रश्न:** राम के वन-गमन से कौशल्या की क्या दशा हो जाती है?
   उत्तर: वे अत्यंत दुखी और विरह-विह्वल हो जाती हैं।
6. **प्रश्न:** तुलसीदास किस प्रकार के कवि हैं?
   उत्तर: भक्ति और लोकमंगल के कवि।
7. **प्रश्न:** 'भरत-राम का प्रेम' में प्रमुख रस कौन-सा है?
   उत्तर: भक्ति/शांत रस।
8. **प्रश्न:** तुलसीदास की काव्य-भाषा कैसी है?
   उत्तर: सरस, सरल और लोकबोधपूर्ण।
9. **प्रश्न:** भरत राम से क्या प्रार्थना करते हैं?
   उत्तर: उन्हें अपने चरणों में स्थान देने की।
10. **प्रश्न:** इन पदों का मूल संदेश क्या है?
    उत्तर: प्रेम, त्याग और समर्पण।

10 तीन-पंक्ति प्रश्न-उत्तर

1. 'भरत-राम का प्रेम' पद का मुख्य भाव क्या है?

उत्तर: इसमें भरत का राम के प्रति अपार प्रेम दिखता है।
वे अपने को दीन और अपराधी मानते हैं।
और राम के चरणों में समर्पित हो जाते हैं।

2. भरत राम से किस भाव से बात करते हैं?

उत्तर: वे विनय और दीनता से बात करते हैं।
अपने को तुच्छ बताते हैं।
राम की कृपा की याचना करते हैं।

3. गीतावली के पदों में कौशल्या का चित्रण कैसा है?

उत्तर: वे विरह से व्याकुल हैं।
राम की वस्तुएँ देखकर रो पड़ती हैं।
उनका हृदय करुणा से भरा है।

4. राम के वन-गमन का कौशल्या पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर: वे शोक से व्याकुल हो जाती हैं।
हर वस्तु उन्हें राम की याद दिलाती है।
उनका जीवन सूना हो जाता है।

5. तुलसीदास को 'समन्वय का कवि' क्यों कहा जाता है?

उत्तर: उन्होंने भक्ति और लोकजीवन को जोड़ा।
धर्म और करुणा का संतुलन दिखाया।
इससे उनकी कविता व्यापक बन गई।

6. 'भरत-राम का प्रेम' में भक्ति-भाव कैसे प्रकट होता है?

उत्तर: भरत राम को ईश्वर के रूप में देखते हैं।
वे स्वयं को तुच्छ मानते हैं।
और पूर्ण समर्पण व्यक्त करते हैं।

7. तुलसीदास की भाषा-शैली की विशेषता क्या है?

उत्तर: भाषा सरल और सरस है।
लोक-जीवन से जुड़ी हुई है।
भाव सीधे हृदय को छूते हैं।

8. गीतावली के पदों में करुणा कैसे उभरती है?

उत्तर: कौशल्या का मातृ-हृदय दुख से भर जाता है।
राम के बिना घर सूना लगता है।
पूरा वातावरण करुण हो उठता है।

9. भरत के चरित्र की प्रमुख विशेषता बताइए।

उत्तर: वे अत्यंत विनम्र और त्यागी हैं।
भाई के प्रति असीम प्रेम रखते हैं।
और स्वयं को दोषी मानते हैं।

10. इन पदों का समग्र संदेश क्या है?

उत्तर: प्रेम और त्याग जीवन के मूल मूल्य हैं।
समर्पण से ही भक्ति पूर्ण होती है।
पारिवारिक संबंध पवित्र बनते हैं।

---

10 दीर्घ प्रश्न-उत्तर

1. 'भरत-राम का प्रेम' पद का भावार्थ लिखिए।

उत्तर: इस पद में भरत राम के प्रति अपने अपार प्रेम और विनय को व्यक्त करते हैं। वे स्वयं को अपराधी और तुच्छ मानते हैं तथा राम की कृपा के बिना अपने को कुछ नहीं समझते। उनका हृदय प्रेम, भक्ति और समर्पण से भरा हुआ है। यह पद भाई-भाई के पवित्र प्रेम और ईश्वर-भक्ति का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है।

2. भरत के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर: भरत विनम्र, त्यागी और प्रेमपूर्ण व्यक्ति हैं। वे राज्य को स्वीकार नहीं करते और राम को ही अपना स्वामी मानते हैं। अपने को दोषी समझकर वे राम से क्षमा और कृपा की याचना करते हैं। उनका चरित्र आदर्श भ्रातृ-प्रेम का प्रतीक है।

3. गीतावली के पदों में माता कौशल्या की विरह-व्यथा का चित्रण कीजिए।

उत्तर: राम के वन-गमन के बाद कौशल्या अत्यंत दुखी हो जाती हैं। वे राम की वस्तुओं को देखकर उन्हें याद करती हैं और रो पड़ती हैं। उनका हृदय विरह से व्याकुल है और जीवन सूना प्रतीत होता है। इन पदों में मातृ-हृदय की करुण पीड़ा अत्यंत मार्मिक रूप में व्यक्त हुई है।

4. तुलसीदास का साहित्यिक परिचय दीजिए।

उत्तर: तुलसीदास भक्ति-काल के महान कवि हैं और सगुण राम-भक्ति के प्रमुख प्रवर्तक माने जाते हैं। उनकी प्रमुख रचना 'रामचरितमानस' है, जिसकी भाषा अवधी है। उनकी कविता में भक्ति, करुणा, लोकमंगल और नैतिक मूल्यों का सुंदर समन्वय मिलता है।

5. 'समन्वय का कवि' के रूप में तुलसीदास की विशेषता स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: तुलसीदास ने भक्ति, लोकजीवन, धर्म और नैतिकता को एक साथ जोड़कर प्रस्तुत किया। उनकी रचनाओं में आदर्श और व्यवहार, भावना और नीति–सबका संतुलन दिखता है। इसी कारण उन्हें 'समन्वय का कवि' कहा जाता है।

6. 'भरत-राम का प्रेम' में भक्ति-भाव का स्वरूप बताइए।

उत्तर: इस पद में भरत राम को केवल भाई नहीं, ईश्वर के रूप में देखते हैं। वे अपने को तुच्छ मानकर पूर्ण समर्पण करते हैं और राम की कृपा की याचना करते हैं। यह सच्ची भक्ति का उदाहरण है।

7. तुलसीदास की भाषा-शैली की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर: उनकी भाषा सरल, सरस और लोकबोधपूर्ण है। अवधी और ब्रज के शब्दों से उनकी कविता जनसाधारण के हृदय तक पहुँचती है। शैली में भावुकता, प्रवाह और मार्मिकता है।

8. इन पदों में करुण रस कैसे उभरता है?

उत्तर: कौशल्या की विरह-व्यथा और भरत की दीनता दोनों ही करुण भाव पैदा करते हैं। राम के बिना जीवन का सूना होना और प्रिय से बिछोह की पीड़ा पाठक के मन को करुणा से भर देती है।

9. 'रामचरितमानस' का हिंदी साहित्य में महत्व बताइए।

उत्तर: 'रामचरितमानस' हिंदी का महाकाव्य माना जाता है। इसने भक्ति को जन-जन तक पहुँचाया और लोकभाषा को साहित्य की प्रतिष्ठा दिलाई। इसकी कथावस्तु, भाषा और भाव आज भी लोगों को प्रेरित करते हैं।

10. इन पदों का समग्र संदेश लिखिए।

उत्तर: इन पदों में प्रेम, त्याग, भक्ति और समर्पण का आदर्श प्रस्तुत किया गया है। पारिवारिक संबंधों की पवित्रता, ईश्वर-भक्ति की महिमा और मानवीय करुणा का सुंदर चित्रण इन रचनाओं का मुख्य संदेश है।